22	वीराशंसनं वाजिभोष्मभूः।	
23*	नियुद्धभू रत्नवारो का काने गांग हरूपायकिकारको केपोर्गुक	
24	मोला मूर्का च कश्मलम् ॥ द०१ ॥ जिल्ला	
25	वृत्ते भाविनि वा युद्धे पानं स्याद्धीर्पाणकम् ।	42
26	पलायनमपयानं संदावद्रविद्रवाः ॥ ८०२ ॥	
27	म्रपक्रमः समुत्प्रेभ्यो द्रावा	34
28	ण्य विजयो जयः। नामान । निमान	45
29	परातया रणे भङ्गा	
30	उमरे डिम्बविप्नवै ।। ८०३॥	
31	वैर्निर्यातनं वैर्ष्ट्राइवैर्प्रतिक्रिया।	
32	बलात्कारस्तु प्रसमं कृठो वि व विवादा विकास	
33	ज्य स्विलितं क्लम् ॥ ८०४ ॥	00
34	परापर्यभिता भूता जिता भग्नः पराजितः।	
35	पलायितस्तु नष्टः स्याइन्हीतदिक्तिशान्तिः ॥ द०५ ॥	
36	जिताक्वा जितकाशी	
37	39. Gefangener (1 Wh. 17) Die viere Kasten, in welche getheilt werden die brab man en. Kahattrijas, V	
38 जारा मुती कारा मुती		
	la. I d. nib doen nedisch as bandeliden bilden bei den deibeiten der d. d. d. d.	
22. Der Ort, wo der Kampf am heftigsten ist. – 23. Kampfplatz für Ringer. – 24. Ohnmacht (3 W.). – 25. Der Trank, den man		
vor oder während der Schlacht zu sich nimmt. — 26. 27. Flucht		
(9 W.). — 28. Sieg (2 W.). — 29. Niederlage. — 30. Herausfor-		

(9 W.). — 28. Sieg (2 W.). — 29. Niederlage. — 30. Herausforderndes Geschrei (3 W.). — 31. Wiedervergeltung, Rache (3 W.). — 32. Anwendung von Gewalt (3 W.). — 33. Kriegslist (2 W.). — 34. Besiegt (6 W.). — 35. Der die Flucht ergriffen hat (4 W.). — 36. Sieger (2 W.). — 37. Gestürzt (2 W.). — 38. Gefängniss (3 W.).